

**बिड़ला मिल, भिवानी के कर्मचारियों  
द्वारा हड़ताल**

804. श्री दत्तोपन्त ठेंगड़ी : क्या श्रम तथा पुनर्वासि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिड़ला मिल, भिवानी के कर्मचारियों ने गत कई सप्ताह से अपनी मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रखी है ;

(ख) यदि हां, तो उनकी मांगों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) उनकी मांगों की पूर्ति के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

†[STRIKE BY THE EMPLOYEES OF BIRLA MILL, BHIWANI

804. SHRI D. THENGARI : Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the employees of Birla Mills, Bhiwani, have been on strike in support of their demands for the last several weeks;

(b) if so, what are the details of their demands; and

(c) what action has been taken by Government to meet their demands?]

श्रम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भगवत झा आजाद) : (क) से (ग) यह मामला राज्य के क्षेत्राधिकार में आता है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION (SHRI BHAGWAT JHA AZAD) : (a) to (c) The matter falls in the State sphere.]

**भारत में खाद्यान्नों का नष्ट होना**

805. श्री दत्तोपन्त ठेंगड़ी : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान केन्द्रीय खाद्य तथा तकनीकी अनुसंधान संस्थान,

मैसूर के निदेशक श्री एच० ए० बी० परपिया के एफ० ए० ओ० रिव्यू की पत्रिका में प्रकाशित उस वक्तव्य की ओर दिलाया गया है जिसमें यह कहा गया है कि भारत में 17 लाख टन खाद्यान्न नष्ट हो जाते हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार खाद्यान्नों को इस प्रकार नष्ट होने से रोकने के लिये कोई कार्यवाही करने का विचार कर रही है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

†[WASTAGE OF FOODGRAINS IN INDIA

805. SHRI D. THENGARI : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the statement made by Shri H. A. B. Parpiya, the Director of the Central Food and Technical Research Institute, Mysore and publish in F.A.O. Review magazine, to the effect that foodgrains amounting to 17 lakh tonnes are wasted in India;

(b) if so, whether Government propose to prevent such wastage of foodgrains; and

(c) if not, what are the reasons therefor?]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सह-कारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहेब शिन्दे) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) सरकार भण्डारण में होने वाली हानि को कम करने और खाद्यान्नों के सम्भालने में होने वाली हानि को बहुत ही कम करने के लिए सभी पग उठा रही है। और इस सम्बन्ध में निम्नलिखित विशिष्ट उपाय किये गए हैं :-

(1) इस बात की कोशिश की जा रही है कि भण्डारण में खाद्यान्नों की कीटनाशकों से सुरक्षा करने के लिए सभी कीटनाशक दवाइयां और अपेक्षित उपकरण देश में ही तैयार किए जाएं और प्रयुक्ताओं को तुरन्त सुलभ किए जाएं।